

ॐ हविर्नमो भूतनाथस्य ॥ सा हि देवकन्या सत्यमर्कः ॥ १ ॥ ॐ नमो
भूतनाथस्य ॥ ॐ नमो भूतनाथस्य ॥ ॐ नमो भूतनाथस्य ॥ ॐ नमो भूतनाथस्य ॥
मर्यादा निधयारवज्जवायादि आविर्गन्तव्यवनामलिनिनरा
काया ॥ ॐ नमो भूतनाथस्य ॥ ॐ नमो भूतनाथस्य ॥ ॐ नमो भूतनाथस्य ॥ ॐ नमो भूतनाथस्य ॥
वन्द्यवतु वन्द्यवति मूलादिनयनमानदमूलादिनिधयारवी

मा षष्ठं सा वज्रकिनि वज्रजकार्शद्वितीय आ का श वा यु म
 दिनी स्मा क व नी आ गि ना स वा का ना ॥ ३ ॥ ह नी य औ
 कौं अ वौ यै व न य अग्रि ल स न द वौ नि व द क द रु क
 प्रत्या वा ध ना श च नु व स च नु व ल्य कौ य वा क ना दि त्र स
 अ ल्य ध क च ड स न ना था ॥ ४ ॥ च नु ड न स द न वा धि स
 वा ग्हा य व द दि नि र

ल व ना द्वा व पा रु अ द्वा रि अ न स्म सा ने श ज कार्म व म शु
 ल ष द कि धा गु व पा द नि च य ध ना ड का व व जा ॥ ५ ॥
 ॥ ६ ॥ अ य वि द्वा न क ह का व स ज न श म ज म र व म म व
 नि आ लि रु ष द स्या ॥ ७ ॥ न मा मि च क म र व को रु वा या
 र शी व क नी ल व धू रि ग ल के सा ॥ ८ ॥ व ट रु ज द दि न

२
 अ य वि द्वा न क

॥२॥

कविकिञ्जुङ्गमन् ॥ वामकपायपाशखङ्गीगधया ॥ १ ॥
मधुमालयासुचन्मिलम्भादवाश्दभदिगमालविध्वंसन
वीना ॥ ५ ॥ अद्विसिद्धिवयोवैष्णविना अनशगावकिह
काववज्जगीता ॥ ५ ॥ ॥ रागम ॥ स्थिमधुल
माय्यदिरुज्जकमखश्नयमकुठकअशिननयना ॥

॥२॥
॥३॥
॥४॥

॥५॥ नमामि श्रीवृद्धताकिनी ॥ अश्रुवनम्ययीश्रुद्धि
सिद्धिदवीमाक्रुरुलप्रसादा ॥ १ ॥ दाडिदिनकुलिम
धयवामकयषयेश्वकयूपादवीगगमवासिनी ॥ २ ॥
यत्वपूवनीवासकडिदियोनपीतश्चविद्याधवीद
वीसवनववदिता ॥ ३ ॥ शक्युप्रसादश्रीसिद्धि

वेङ्गनाशकचक्रमायुसिद्धिवयप्रसादा॥ ५ ॥
 नागानिबद्ध॥ ब्रह्मचानवैङ्गनब्रह्मयत्रनृपमगगनक
 मलमाङ्गसाधनाशून्यनाविलासिनयायश्चिचिदा
 विष्णुविदसमजाधिना॥ ६ ॥ नमामिनिवारण
 वाक्त्रयलवहहृदयभस्त्रपापिना॥ सवदचदसमन

जयकाशिकडल डवेदुसमशाविना॥ २ ॥ षठंगडा
 गवयसाधिवचकवलि मन्मथुलसमवायनाशनिर्म
 लहिदशावक ध्यापिन त्रिदिनिजिकुडमयसाधना
 ॥ ३ ॥ आर्द्धनेपयमानडविचमासदजाचतुमानद
 डसंरुवाश्ययमाविचमायिन द्वादिचमहासुरसग

वसं पद प्रापिना ॥ ४ ॥ देवदु का वच कु शी व कु सं व च
त्र न न का णि सि द्वा पा न ग र श्च ह न श दि या न पू र्ण ग
वि जा नं ध व प्र र म द्य स ख ज्ञा न ह ॥ ५ ॥ ॐ ॥ वा
ग मा न व ॥ १ ॥ नि रु रु व ॥ अ व ध व ह वृ व या या र श्च ह न ग म
न जा मि ष यि स ॥ ६ ॥ ॐ ॥ नै नं दा दि द व द्य वि अ न

द दी द वा र प वि ना व य मि ह वृ द्य ग म न सं पूर्ण ॥ १ ॥ पू
ष्मि न दि रु वृ नि रु कू वं ह वृ व र स वा वि अ न द्य वि श
यि सं द ॥ २ ॥ शी व दि य ल ज्ञा ल यि च मु वि र श्चि न
अ नं का का व व यि वा इ क ॥ ३ ॥ आ लि कालि द यि वा
द ध वं ल र च ज्ञा नि मि ग म न गि क ॥ ४ ॥ यो य स ज

किनी जदय सुरुवर कादिक कमव कुलि वा डं न ॥ ५ ॥
यस्मा विद्या विद्यो विवना विर च उजागिनि समव सुरु
वा ॥ १ ॥ ॥ १ ॥ **नमो भगवते** ॥ गज मुखनि नयनि काधुवव
सव न नृत्वाधि पति गल स वा २ मभिय क वलारुल ना
नरुनिकि व न संकासा ॥ ५ ॥ ॥ मायिया विद्यु मायिया द

य मायिया इख विना स नर मायिया मा या मा व संकासा
मव व मे वे इः ख ना मिना ॥ १ ॥ ॥ यव सुवा ना कु भव ड
उव अरि शिब वा स ददिन क वा २ मस व ध पूषा भ व ड
उव यव व क वा हि वा भी ॥ ३ ॥ ॥ विचित्र व क क सु क थि
व सा ड ना इ कू मनि म क ना श व वा द व क ल धि क ल म्वा द

सर्वोक्तं
नमो भगवते

वसन्तः पायनः शीतः शीतः वाङ्मनः ॥ ५ ॥ यत्नात् न वरु
 नः तवाङ्गानि नान् मुखं कमूखं जगत् संधायादिना दत्तान्
 मसूखदा नानामा मुद्रग धाधियानि ॥ ७ ॥ ॐ ॥ **मगना**
८ ॥ नमामि शक्तिन च म्मि धाहुस्वयं रुरश्विदुवन अनूरु वध
 म्मि धाहुवागि अत्र ॥ ६ ॥ नमामि शक्तिन च म्मि धाहुस्वयं रुरश्विदुवन अनूरु वध

नमामि शक्तिन च म्मि धाहुस्वयं रुरश्विदुवन अनूरु वध

६१ दशमि शक्तिन च म्मि धाहुस्वयं रुरश्विदुवन अनूरु वध
 १ ॥ स्वयं मध्यापाना
 २ ॥ शक्तिन च म्मि धाहुस्वयं रुरश्विदुवन अनूरु वध
 ३ ॥ नमामि शक्तिन च म्मि धाहुस्वयं रुरश्विदुवन अनूरु वध
 ४ ॥ नमामि शक्तिन च म्मि धाहुस्वयं रुरश्विदुवन अनूरु वध
 ५ ॥ नमामि शक्तिन च म्मि धाहुस्वयं रुरश्विदुवन अनूरु वध

याया२ या जाधि वाड आन वड म ह्ये दवा॥ ५ ॥ शिव र
या यव धूद रु आ वा यरु नयि वाक वड रुना सु यि॥ ६ ॥
॥ ॐ ॥ ॥ वागा॥ धनो म् ॥ सर्वा काका म हा सु ख रु व रु उ न
न ड द हा श वि रु व न रु यि म हा सु ख रा या रु ड सु यि द
यि म यि या॥ ७ ॥ न वा प नि ना न वू न यि ना वि रु व न रु क

॥ ८ ॥ सु यि १ सु ध वि क ल्या वि धं स न द वा नू नू रु व ह्य नू व न
दा यानि॥ १ ॥ अ मि का रु म धु व रु द या वा धि नि क ल्या न
वा मि व धा य १ क र नि क वा वा ज्य द्वा ग धा यि प्र ह्य रु न व
व दा यानि॥ २ ॥ दि ग व न म रु ट क म् रु रु क रु द व रु क म् रु
॥ ३ ॥ नू व क म रु व वा य ल धा यी गा सु द न वा मि ला मा

ला॥ ५ ॥ सर्वकथागणकननादवीविनादिबलाव
नूलावाशआवरुयागिनाचनधसिचांगनगावठिसम
वसवडा॥ ६ ॥ ॐ ॥ **नागकाभादना** ॥ अवनिनीहि
मजानूनीलसमदहाशककनविहायनिशीषमवदना
॥ ध्रु१ ॥ गनाईरुगनाईरुईरुईरुजातअचलकाठवा

॥ निविडिगद्यहाङ्गुमिसाहिगमंगशपाहस्यम्
ध्वानिशिरवदनाथ ॥ ॥ हनिहन्प्रक्ताः दुचउ
मानाश्मानविषुदुमिडाग्रयहनक्ष ॥ ॥ वि
विधिगनत्वामीलिलकृदहाश्जगन्विवावीद्धिगवल
रूलदायक ॥ ॥ ॥ रागनिवेद ॥ कम्

लविकासितथिगिरास्त्रकमूडपियवर्धुसमदहा
२ वरुनवदनकवनयदनपन्नृत्त्यभ्यनप्रकासि
गा॥ ३१॥ नन्नामिनमाभिमसीसीसकवमुद्यनाय
सर्वगुणैकैकानिदहनस्त्रानववपदसर्वरूप्यानि
द्विपाविता॥ २ ॥ यथमेकवदयवज्जयधधवमडा

ल्लिंभनवाजीकाशद्विदियांकुअधवरुनायस्त्रनरुंध
चतुर्थस्वभेसर्वववधवा॥ ३ ॥ मरुयमुज्जयामुवन
धन्मिवापचतुर्थवामधुनपूरुकाशनेमकृट्तायुजलि
नकिंवियधनमभसर्वविववा॥ ४ ॥ निर्वृद्धिहान्
मिष्टरुमिष्टसर्वहृष्टाविविंपसावाश्चक्रसवनासवना

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
विद्याविमलसंयुक्ता ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
इदं योऽशिवलासा ॥ यक्ष ॥ मनाह्वयस्य ल ॥
न हृदय ॥ १ ॥ ॥ योऽशिवलासा ॥ यक्ष ॥ मनाह्वयस्य ल ॥
नमः कु ॥ मनाह्वयस्य ल ॥ ॥ धम्म चक्र म ॥ ॥

लिसंज्ञायिश्चंष्टुचापयियुक्तं सर्वं सुखम् ॥ ४ ॥
 सखासुवनमित्तं वैवनाशरुनयिपवसादिवङ्कः ॥
 नगुद्यययनं ॥ ५ ॥ **आगच्छेत्वा** ॥ मध्यमं नमो महं महं
 निकनकवाजिनं पूर्वविदह्वनं जूद्विपं ॥ जपवत्ता जा
 यानि उरुवक्त्रं वनयकं वर्धुपञ्चजिनव्याधिया
 वर

५ ॥ **धृ** ॥ नमो वक्त्रं वर्धु विद्वत्सि जिनं विज्वादि
 नं विज्वा रुतं पञ्चसु वानि ॥ जसद्विपानमा रुगाकिजि
 नसा नसा हवन्त रुयनिमि वद्यनधाय वयं ॥ १ ॥
 जानवादा नमस्या उपद्विपं नाडुद्विपानि जानुध्वान
 स्वज्ञाननाडुपद्विपं चडादिगं वनं द्याडुपद्विपं
 पर

शिरुवदवधवसमस्तानदवीश्यादियानवधुगिनि
कासवयश्यादुतशुविशुद्धसधुलनृत्ययनि ॥ १ ॥
वसुदलसुत्रादेववधर्मचक्रषाडदलसंशोर्गैर्क
श्यागिंसतदलकैमलमदासुवचक्रकैकानवयपद्या
द्वयकनाथ ॥ २ ॥ ददनिजिनविद्यादितिनया

रुदनिशुवसूतधायानादयूपापिथादिदशरुमि
सुगतयंरुनिजिनस्तानदायनिविद्वन्मयी ॥ ३ ॥
दय्यमपनिविंम्वरुलरुचक्रापचभुदिनीशुमयं
नवजदवीशुजमजसभावृत्तुपायसवेधदुर्ग
निनासनमोशुपुदाना ॥ ४ ॥ ~~॥~~ ॥ रवागगधाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 स पंचसावित्र्याऽथि याल ॥ १ ॥ नृकदवावुलिना
 या विरुवनवाश्वी नैमवा पकडामया आड ॥ १
 ॥ वा नैवा नैव स ह ॥ आ आ नैव १ कयक मंलासनह
 दया आनंद ॥ १ ॥ यक वद पक र्क धस्य नृथ १

देवा अश्वमेधनपसुदिनहृदया ॥ ४ ॥ उं जा ४ हं
 जिह्वं ॥ धर्कं नैत्रि ह्यरुम नूयं ह्युत्था निवी वस्मा ॥
 आनेत्र ॥ ५ ॥ ॐ ॥ १ याग कर्तुं दि ॥ ४ ॥ दया गिनी द
 वा गिनुवनवा पिनी श्विद्युमा न द हृदय विना सि
 नी ॥ ६ ॥ ॐ नमा मि देवी श्री वज्र वा ना ह्य श्च सिं धि

सिद्धिप्रदायनी जगत्जननी ॥ १ ॥ पूर्वद्वयगतवक्
 वक्ष्ये गीशं नयामिनादवा नीलवदनी ॥ २ ॥
 वायव्यमाहिनादवा शाकवर्ध्वा श्यामसंकायि
 नादवा गोवर्ध्वा ॥ ३ ॥ नैऋत्यसंकायिनादवा
 हविर्गवर्ध्वा श्रद्धात्रिध्वंशिकादवा ध्रुववर्ध्वा

॥ ४ ॥ चतुर्मुखं नैऋत्यं च मूढारुद्रं शस्त्रवीजं
 हवनव्रतसिद्धिदं ॥ ५ ॥ वाग्वैद्यं मंडली ॥
 अनिलजनलजलं जारुद्रं माध्यमं शुलचक्रं
 वायं श्वेदं जलं सवज्जं वसं पविहं विमं मधुल
 चक्रं वाया ॥ ६ ॥ जमवृक्षं व्याशं नाकवृक्षं

ॐ
 नमो
 भगवते

लिङ्गघट्टवृत्तश्रवणं योश्चैव जवा नादि जालिङ्गनसंव
नश्रवणं यासु ॥ १ ॥ कृतिं संपादय वक्ष्ये वसंजहि ज
हिनदि नदि जल्लभान्न नूनं दत्तसर्वदेववज्जसा
ज्जदेवी सिनीति यरुयनसंदाव ॥ २ ॥ त्रिहवनः
तस्मात्तु कृवाव वा शानि रववनन वना ढसं पुसाव
कृवायनं रवा जालिङ्गवन तस्मात् ३४ ॥

वदन्त्याव उचकाकावा ॥ ३ ॥ आदिनि संज्ञतगवृवाव
न तत्कायं कृदिता वराव जल्लवश्च वसंसे वगरुय
वंधन कृदिता वरुयमाव जालिङ्गसंदाव ॥ ४ ॥ ॐ ॥
यागनाट ॥ वक्तु वक्षुति निवायन सुडवाश्च जल्लगदक्ष
रुज्जपुटवधकि वल्ल ॥ ५ ॥ तस्मादवावा वक्षि सह

वक्षि सह
वक्षि सह
वक्षि सह

हा मा म कि द वा २ ज ग न पु मा दि व म य न स वा हा ॥ १ ॥
 ॥ आ ग स व द प वा न व वा न २ ज ग ध व म दि क्रा ग व उ प
 द ज ॥ २ ॥ यं क व द ॥ स्व न व प श व स २ स या व ज
 गि ना सा य ह व ज न ह व ज ॥ ३ ॥ हा न ग व व न ध सि
 च ग न ध वि या श न यि शी वा क व ज स वा स व यी ॥ ४ ॥

॥ १ ॥ वा ग ल वि ॥ अ नु क व न थ वं का व ला वा क ल र प
 चि लि न वि चि न क ल स २ ३ ॥ आ क का न व ज ॥ म न म द कं स क स
 ॥ अ धि न ज्ञान म न स थं ॥ ४ ॥ व द म न य वा धि रु व द य कं स
 व जि न व यो यि न स र ज क ल स २ ३ ॥ ग न म ल गे धि न गु न क न
 भा वं सं सा न ना स न विल क र यं ॥ १ ॥ व ज य व सा न म य ग धा

वि न क र ॥ १ ॥

मकजं संशुक्तं भस्वमाधि नयं चयीययं रङ्गं जानमं प्रयच्छग
वन्धवजसंस्तुयिनविव्याकलसं ॥ २ ॥ घनमस्तुक्तवन्धव
आकाशमदाकिनिजलैवेयं रमटिगिताधावनदवगावकु
ल्लानसत्त्वमानियहृदिजकलर्ग ॥ ३ ॥ याथादिआचसनदा
नयनिसुनंसमयसत्त्वयुधगिनवित्तदकलगरमस्तुगड

वित्तयं वाधिविरुत्तयंसमयसत्त्वज्ञानसत्त्वचकिरुगं ॥ ४ ॥
॥ ० ॥ ॥ ~~॥~~ ॥ नागहोत्रवा ॥ नमो ह्येकावन्धवयधनरुख
वृविसत्त्वउगाधन ॥ ५ ॥ गनाहं हं गनाहं हं रगनागनहं हं
हं ॥ ६ ॥ दंदा आलिगमजगधनरवजयंसधैमदाधन ॥ ० ॥
धवनसत्त्वसंखनदं हधनरसुनदसुयायवधमन ॥ ४ ॥ माया

नमो ह्येकावन्धवयधनरुख